सुरीनाम में पहला दिन

HSSLiVE.IN

सफ़रनामा **हिमांशु जोशी**

(I) भूगोल की .....सुकुन का अहसास।

(1) भूगोल की पुस्तकों में क्या पढ़ा था?

भूमध्यरेखीय प्रदेशों में भीषण गरमी पड़ती हैं। प्रायः प्रतिदिन बारिश भी होती हैं।

(2) संसार में सबसे अधिक वन कहाँ पाए जाते हैं?

भूमध्यरेखीय प्रदेशों में।

(3) भूमध्यरेखीय प्रदेशों में क्यों इतने अधिक वन पाए जाते हैं?

भूमध्यरेखीय प्रदेशों में भीषण गरमी पड़ती हैं। प्रायः प्रतिदिन बारिश भी होती हैं। इसलिए संसार में सबसे अधिक घने वन यहाँ पाए जाते हैं।

(4) ब्राज़ील की कितने प्रतिशत भूमि गहरी हरियाली से आच्छादित हैं?

तिरानबे प्रतिशत।

(5) अतीत का यह पढा आज प्रत्यक्ष देख रहे हैं, क्या?

भूगोल के पुस्तकों में पढ़ा - भूमध्यरेखीय प्रदेशों की भीषण गरमी, घने वन, ब्राज़ील की हरियाली आदि आज प्रत्यक्ष देख रहे हैं।

(6) विमान से झाँकने पर क्या-क्या देख रहे हैं?

विमान से झाँकने पर नीला जल, काले-घने बादल और दूर कहीं हरियाली के छींटें आदि देख रहे हैं।

(7) यात्रियों का कौतूहल भी बढ़ता चला जा रहा है, कब?

विमान उतरने की प्रक्रिया में धीरे-धीरे धरती की ओर झुकते समय यात्रियों का कौतूहल भी बढ़ता चला जा रहा हैं।

(8) विमान धरती को झुकते वक्त यात्रियों को किस प्रकार का अहसास हुआ?

विमान धरती को झुकते वक्त यात्रियों को लगभग बीस हज़ार किलोमीटर की लंबी यात्रा के पश्चात धरती पहुँचकर सुकुन का अहसास हुआ।

(9) खंड का संक्षेपण करें।

अतीत की पढ़ा हुआ भूमध्यरेखीय प्रदेशों की भीषण गरमी, घने वन, गहरी हरियाली आदि आज प्रत्यक्ष देख रहे हैं। विमान धरती की ओर झुकते समय यात्रियों का कौतूहल भी बढ़ता रहा।

(10) संक्षेपण केलिए शीर्षक लिखें।

कौतूहल का अहसास

DO NOT COPY

(II) जिस हिंदी को ..... अहसास जता रही हैं।

HSSLIVE.IN

(1) सूरीनामी हिंदी किन-किन भाषाओं का मिश्रण हैं?

भोजपुरी और अवधी भाषाओं का मिश्रण है।

(2) सूरीनामी हिंदी कैसे भोजपुरी-अवधी का मिश्रण बन गया?

या

किनके माध्यम से हिंदी को भारत से ले गए थे? कौन?

भारतीय लोग गिरमिटिया श्रमिक के रूप में जाते वक्त हनुमानचालीसा, रामचरितमानस आदि धर्मग्रंथों के माध्यम से हिंदी भी ले गए थे।

(3) गिरमिटिया श्रमिक **किन-किनके माध्यम से हिंदी को भारत से ले गए थे**?

हनुमानचालीसा, रामचरितमानस आदि धर्मग्रंथों के माध्यम से।

(4) 'उन्होंने तूफान के बीच दिए की तरह जलाए रखा।' यहाँ 'तूफान' और 'दिया' किन-किन को सूचित करता हैं?

यहाँ 'दिया', गिरमिटिया श्रमिकों द्वारा भारत से ले गए 'हिंदी भाषा और हिंदी प्रदेश की संस्कृति' हैं और 'तूफान' उन श्रमिकों का संघर्ष हैं, जो अपनी भाषा और संस्कृति को बचाए रखने केलिए भोगना पड़ा।

(5) तूफान के बीच दिए की तरह जलाए रखा, किसको?

हनुमानचालीसा तथा रामचरितमानस आदि धर्मग्रंथों के माध्यम से यहाँ से ले गए हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति को तूफान के बीच दिए की तरह जलाए रखे।

(6) आज एक सौ तीस साल बाद हिंदी भाषा की अवस्था क्या है?

आज एक सौ तीस साल बाद हिंदी नए वैश्विक स्वरूप लेकर उभर रहा है। अब हिंदी गिरमिटिया श्रमिकों की भाषा नहीं, वहाँ के शासकों एवं राष्ट्राध्यक्षों की भाषा बन गई है।

(7) **आज 130 साल बाद वह एक नए रूप में साकार होकर उपस्थित हो रहा है। क्या**?

जिस हिंदी को भोजपुरी एवं अवधी के रूप में यहाँ से जाते वक्त ले गए थे, वह आज नए रूप में साकार होकर उपस्थित हो रहा है।

(8) 'उसका वैश्विक स्वरूप उभर रहा है।' कैसे?

अपने साथ ले गए हिंदी और भारतीय संस्कृति को उन्होंने तूफान के बीच दिए की तरह जलाए रखा और अब एक सौ तीस साल बाद उसका वैश्विक रूप उभर रहा है।

(9) **हिंदी का वैश्विक रूप क्या है**?

जिस हिंदी को भोजपुरी-अवधी के रूप में एक सौ तीस साल पहले भारत से ले गए थे, वह आज गिरमिटिया श्रमिकों **की ही भाषा नहीं, शासकों**, राष्ट्राध्यक्षों **की भी भाषा बन गई है। और अब हिंदी संसार के एक सौ बीस देशों में किसी-न-किसी रूप में उपस्थित है।**

(10) संसार के कितने देशों में आज हिंदी उपस्थित है?

एक सौ बीस देशों में।

(11) 'उन्होंने तूफान के बीच दिए की तरह जलाए रखा।' लेखक ऐसा क्यों कहते हैं?

भारतीय लोग गिरमिटिया श्रमिकों के रूप में एक सौ तीस साल पहले सूरिनाम पहुँचा था। भारत से जाते समय 'हनुमानचालीसा' तथा 'रामचरितमानस' आदि धर्मग्रंथों के माध्यम से अपनी भाषा एवं संस्कृति को भी ले गए थे। वहाँ पैर रखने की संघर्ष में भी वे अपनी भाषा और संस्कृति को नहीं भूले। अपनी भाषा एवं संस्कृति को बनाए रखने केलिए

किए गए इनकी संघर्षों के फलस्वरूप हिंदी भाषा आज नए रूप में शासकों एवं राष्ट्राध्यक्षों की भाषा बन गई है।

HSSLiVE.IN

(12) खंड का संक्षेपण करें।

गिरमिटिया श्रमिक अपने साथ धर्मग्रंथों के रूप में ले गए हिंदी भाषा को तूफान के बीच दिए की तरह जलाए रखा और आज सालों बाद वह नए वैश्विक रूप में उपस्थित है। अब हिंदी शासकों एवं राष्ट्राध्यक्षों की भाषा बन गई है। संसार के एक सौ बीस देशों में भी हिंदी की उपस्थिति है।

(13) संक्षेपण केलिए शीर्षक लिखें।

हिंदी भाषाः सुरीनाम में।

(III) मॉरिशस, त्रिनिदाद ..... जैसा लग रहा है।

(1) विश्व हिंदी सम्मेलन की यह सातवीं मंज़िल के पूर्व यह कहाँ-कहाँ मनाया था?

मॉरिशस, त्रिनिदाद और ब्रिटन में।

(2) किसके आगमन की स्मृति में 'हिंदी महापर्व' का आयोजन हो रहा है?

एक सौ तीस साल पहले आए प्रथम भारतीय श्रमिकों की स्मृति में।

(3) इस महापर्व में कौन-कौन सम्मिलित हैं?

भारत के अलावा अनेक देशों के हिंदी लेखक, हिंदी प्रचारक, प्राध्यापक, हिंदी सेवी आदि इस महापर्व में सम्मिलित है।

(4) सूरीनाम के आबादी कितने हैं? इसमें कितने प्रतिशत लोग भारतीय मूल के है?

लगभग साढ़े चार लाख आबादीवाले सूरीनाम के सैंतीस प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं।

(5) लेखक को कौन-सा शहर भारतीय जैसा लगा?

पारामारिबो शहर।

(6) पारामारिबो शहर लेखक को भारतीय शहर जैसा क्यों लगा?

सूरीनाम के सैंतीस प्रतिशत लोग भारतीय मूल के है। सब कहीं भारतीय संस्कृति एवं भाषा की झलक है। इसलिए लेखक को पारामारिबो शहर सूरीनामी नहीं शहर एक भारतीय शहर जैसा लगा।

(7) खंड का संक्षेपण करें।

विश्व हिंदी सम्मेलनों की यह सातवीं यात्रा 'हिंदी महापर्व', एक सौ बीस साल पहले आए प्रथम भारतीय श्रमिक की स्मृति में आयोजित है। हिंदी लेखक, प्रचारक, प्राध्यापक एवं सेवी यहाँ उपस्थित है। सर्वत्र भारतीय ही भारतीय देख रहने के कारण यह एक भारतीय शहर जैसा प्रतीत होती है।

(8) संक्षेपण केलिए शीर्षक लिखें।

हिंदी महापर्व की सातवीं यात्रा

HSSLiVE.IN

HSSLIVE.IN

(IV) दिनांक 6 जून .....गहरा लगाव है।

(1) सातवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन का शुभारंभ कब हुआ?

दिनांक 6 जून को सातवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

(2) सातवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन का शुभारंभ किसने किया?

सूरीनाम के आफ्रिकी मूल के राष्ट्रपति रुनाल्डो वेनेत्शियान ने किया।

(3) राष्ट्रपति ने अपने उद्‌बोधन में दोनों राष्ट्र के संबंध में क्या-क्या कहा?

अपने उद्‌बोधन में राष्ट्रपति ने कहा था, सूरीनाम और भारत के बीच प्रगाढ़ आत्मीय संबंध है। दोनों देश कई अर्थों में एक दूसरे से गहरे जुड़े है। दोनों के बीच पुरानी भाषाई संबंध है।

(4) सातवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए राष्ट्रपति ने अपने उद्‌बोधन में क्या कहा था?

अपने भाषण में उन्होने कहा था - "सुरीनाम और भारत के बीच प्रगाढ़ आत्मीय संबंध थे। दोनों देश एक-दूसरे से गहरे जुड़े हैं। दोनों के बीच पुराने भाषाई संबंध है। अपनी जननी संस्कृत के साथ आज हिंदी भी विश्व की एक प्रमुख भाषा बन गई है। हिंदी को आम आदमी तक पहुँचाने में हिंदी फिल्मों तथा गीतों का विशेष योगदान रहा है।"

(5) हिंदी की जननी कौन है?

हिंदी की जननी संस्कृत है।

(6) भावों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम क्या है?

भाषा।

(7) यहाँ हिंदी फिल्मों तथा संगीत की भूमिका क्या थी?

सूरीनाम में हिंदी के प्रचार-प्रसार में खासकर हिंदी को आम आदमी तक पहुँचाने में हिंदी फिल्मों तथा संगीत का विशेष योगदान रहा है।

(8) सूरीनाम में हिंदी के प्रचार-प्रसार में किन-किन का विशेष योगदान रहा?

हिंदी फिल्मों तथा संगीत का। हिंदी चलचित्रों के प्रति सूरीनाम लोगों का गहरा लगाव है।

(9) खंड का संक्षेपण करें।

6 जून को सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए राष्ट्रपति ने अपने उद्‌बोधन में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के बारे में बहुत कुछ कहा। हिंदी फिल्मों, संगीत, चलचित्र आदि के प्रति सूरीनामी लोगों का गहरा लगाव है।

(10) संक्षेपण केलिए शीर्षक लिखें।

सूरीनाम में हिंदी।

(V) एक दीप प्रज्वलित .....आह्लादित कर रहा था।

(1) 'एक दीप प्रज्वलित होते ही लगा कि एक साथ न जाने कितने जगमगाते दीपक जल उठे हैं।' यहाँ 'दीप' और 'जगमगाते' दीपक किन-किन के प्रतीक है?

यहाँ दीप सूरीनाम में होनेवाले हिंदी महापर्व है और जगमगाते दीपक वहाँ आए भारतीयवंशियों के भीड़ और उनके उत्साह है।

(2) सूरीनामी भारतीयों का उत्साह किस विशेष प्रयोग के द्वारा लेखक ने सूचित किया है?
भरत-मिलाप।

(3) सूरीनामी भारतीयों का उत्साह देखकर लेखक को क्या अहसास हुआ?
सूरीनामी भारतीयों का उत्साह देखकर लेखक को क्या अहसास हुआ कि एक सौ तीस साल से बिछुड़े बंधु को आज पुनः मिल रहे है।

(4) खंड़ का संक्षेपण करें।
सूरीनामी भारतवंशियों का उत्साह देखकर लेखक को ऐसा लगा कि एक सौ साल से बिछुड़े बंधु रो आज पुनः मिल गए है।

HSSLiVE.IN

(5) संक्षेपण केलिए उचित शीर्षक लिखें।
भरत-मिलाप।

अनुवर्ती कार्यः

(1) लेखक विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने के लिए पारामारिबो पहुँचे। सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के बाद लेखक की बातचीत किसी भागीदार के साथ होती है। वह बातचीत लिखे।
सहायक संकेतः

- सम्मेलन का अनुभव - राष्ट्रपति का भाषण - हिंदी का प्रचार

लेखक : नमस्ते, आप कहाँ से आए हैं?
भागीदार : श्रीलंका से। आप?
लेखक : भारत से।
भागीदार : भारत से! तो हम भाई-भाई हैं?
लेखक : ठीक है। आप यहाँ कब आए?
भागीदार : पिछले हफ्ते। आप?
लेखक : दो-दिन पूर्व। लेकिन मुझे यह एक भारतीय शहर जैसा लग रहा है।
भागीदार : हाँ, हर कहीं भारतीय ही देख रहे हैं।
लेखक : यहाँ के अधिकांश लोग भारतीय मूल के हैं।
भागीदार : ठीक हैं, सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए यहाँ के राष्ट्रपति जी ने जो भाषण दिया था उससे हिंदी का महत्व का पता चलेगा।
लेखक : आज का सम्मेलन आप को कैसा लगा?
भागीदार : अच्छा लगा। यहाँ के भारतीयों का उत्साह सराहनीय है।
लेखक : सुना है, अगले विश्व हिंदी सम्मेलन अमेरिका में होनेवाला है। मैं उसमें भी लेना चाहता हुँ।
भागीदार : मैं भी।
लेखक : तो वहाँ हम फिर मिलेंगे।
भागीदार : ठीक हैं। शुक्रिया।

HSSLiVE.IN

(2) विश्वभाषा के रूप में हिंदी का प्रचार-प्रसार विषय पर भाषण तैयार करें।
सहायक संकेतः

HSSLiVE.IN

- संसार के सबसे बड़ी भाषाओं में एक - सांस्कृतिक विकास में सहायक - विश्व सौहार्द का संवाहक - बोलचाल में आसान

माननीय प्रिंसिपाल, आदरणीय गुरुजनों और मेरे प्रिय साथियों,

हम सब जानते हैं कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा है। भारत में लगभग 80 करोड़ से अधिक लोग हिंदी सीखते हैं। आजकल दुनिया के सभी देशों में भारतीय रहते है। वास्तव में हिदी वह कड़ी है, जो भारत को अन्य देशों से जोड़ते हैं। संचार के नए-नए माध्यमों जैसे एस.एम.एस, फेसबुक, वाट्सआप आदि की पहचान से हिंदी का फैलाव का क्षेत्र दिन-प्रतिदिन विकसित होते रहते है। याहू, गूगिल आदि भी आज हिंदी में उपलब्ध है। यूनिकोड के सहारे कंप्यूटर में भी हिंदी का उपयोग आसान बन गया है। भारत में उच्च वर्ग की संपर्क भाषा तो अंग्रेज़ी है, लेकिन अंग्रेज़ी बोलनेवालों की संख्या केवल 3s है। हाँ, हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हिंदी विश्व के सभी देशों में बोली जानेवाली भाषा है।

बहुत खुशी की बात हैं कि आज हिंदी विश्व के 40 से अधिक देशों में पढ़ी-पढ़ाई जाती है। इतना ही नहीं, दुनिया भर में लगभग 100 से अधिक स्कूलों एवं विश्वविद्यालयों में हिंदी का अध्यायन-अध्यापन होती है। अकेले अमेरिका में ही लगभग 20 से अधिक हिंदी अध्ययन केंद्र है। इसके अतिरिक्त मॉरिशस, सूरीनाम, त्रिनिदाद जैसे देशों में हिंदी का प्रचार-प्रसार ज़्यादा अधिक है। विश्व के प्रायः सभी प्रमुख देशों में हमारा दूतावास है, जो विश्व भर में हिंदी के प्रचार-प्रसार की कड़ी एवं हमारे राजभाषा हिंदी का प्रतिनिधि भी है।

हिंदी फिल्मों और गीतों आजकल लोकप्रिय है। विदेशी थियटरों एवं टेलिविज़नों पर होनेवाले सिनेमा एवं धारावाहिक बेहद लोकप्रिय है। विदेशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार केलिए हमारे मंत्रालय पूर्ण सक्रियता से कार्यरत है। मंत्रालय द्वारा विदेशी विश्वविद्यालयों को पाठ्य-सामग्री आदि उपलब्ध कराती है। विदेशों में हिंदी पढ़नेवालों को अनुदान भी दी जाती है। इस दौर पर प्रवासी भारतीयों का योगदान उल्लेखनीय है।

हर वर्ष विश्व हिंदी सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है। अब तक विश्व के महादेशों में 10 सम्मेलन हो चुके है। इसके अलावा क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन भी किए जा चुके है। खुशी की बात यह है कि आजकल हिंदी एक अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में उभर रही है।

अतः हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत में ही नहीं विश्व भर में हमारे हिंदी का फैलाव है।

HSSLiVE.IN

अतिरिक्त प्रश्नः

(1) लेखक विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने के लिए पारामारिबो पहुँचे। लेखक को वह शहर एक भारतीय शहर जैसा प्रतीत हुआ। अपने अनुभवों का वर्णन करते हुए लेखक अपने मित्र को पत्र लिखते हैं। वह पत्र तैयार करें।

HSSLIVE.IN

पारामारिबो,
7-06-2003

प्रिय मित्र,

अरे यार, मैं 6 जून को यहाँ पहुँचा। वास्तव में यहाँ तक की यात्रा भी कौतूहल से भरा था। जो हमने अपने दसवीं कक्षा के भूगोल की पुस्तकों में पढ़ा था, वे सब प्रत्यक्ष देखने का अवसर अब मिला। लगभग बीस हज़ार किलोमीटर की लंबी यात्रा के पश्चात यहाँ इस मिट्टी पर पैर रखने पर मुझे ऐसा लगा कि क्या मैं फिर भारत पहुँचा था?

इस मिट्टी में पैर रखते ही मुझे यह एक भारतीय शहर जैसा लगा। आश्चर्य की बात यह है कि लगभग साढ़े चार लाख आबादीवाले सूरीनाम के 37ऽ लोग भारतीय मूल के हैं। मुझे यह बिलकुल एक भारतीय शहर जैसे लगा।

एक सौ तीस साल पहले यहाँ आए प्रथम भारतीय श्रमिक की आगमन की स्मृति में इस सम्मेलन का आयोजन हुआ था। यहाँ भारत के अलावा अनेक देशों के हिंदी लेखक, प्राध्यापक, प्रचारक, हिंदी सेवी इत्यादि महान व्यक्तियों के देखने का सुअवसर भी मिला। हमारे हिंदी का प्रचार-प्रसार दुनिया के 40 से अधिक देशों में है।

शाम को सुरीनाम के राष्ट्रपति ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। उनका भाषण बिलकुल ओजस्वी था। उन्होंने विश्व की भाषाओं में हिंदी भाषा और साहित्य का स्थान पर ज़ोर दिया। हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में हिंदी फिल्मों एवं संगीत का विशेष योगदान के बारे में भी बताया है।

सूरीनामी भारतीयों का उत्साह यहाँ उल्लेखनीय है। उनका उत्साह देखकर मैं हैरान हो गया। ऐसा लगा कि 130 साल से बिछुड़े बंधु जन आज फिर गले मिल रहे हैं।

वास्तव में इन्हीं दिन मेरे जीवन के सुनहले दिन है। अगले विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने का अवसर मुझे मिलेगा या नहीं, इसमें संदेह है। अगले विश्व हिंदी सम्मेलन अमेरिका में होगा। वहाँ रहनेवाले तुम ज़रूर भाग लेना। मैं भी भारत के प्रतिनिधि के रूप में वहाँ भाग लेने की प्रतीक्षा में हुँ।

तुम्हारा प्रिय मित्र,
हिमांशु जोशी

(2) सातवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेनेवाले लेखक सुरीनाम में अपने पहले दिन का अनुभव ड़ायरी में लिखते हैं। ड़ायरी का वह पन्ना तैयार करें।

06-6-2003 **बुधवार**

अब मैं सूरीनाम की राजधानी पारामारिबो की एक हॉटल में रहकर डायरी लिख रहा हुँ। यह दिन अपनी ज़िंदगी का सबसे सुनहला पल हैं। सालों का सपना आज साकार हो गया। मुझे भी सातवाँ हिंदी सम्मेलन में भाग लेने का सुअवसर मिला। सूरीनाम की मिट्टी में पैर रखते ही मुझे एक प्रकार का सुकून का अहसास हुआ। सब कहीं भारतीय-ही-भारतीय दीख रहे हैं। लोगों का उत्साह अविश्वसनीय था। अनेक महत् हिंदी प्रेमियों को एक साथ देखने का मौका भी मिला। यह मेरे लिए बड़े सौभाग्य की बात हैं। विश्व की प्रमुख भाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार केलिए जो प्रयत्न हो रहे हैं, यह एक खुशी की बात ही हैं। सम्मेलन के शुभारंभ करते हुए राष्ट्रपति ने हिंदी के महत्व पर बल दिया। सूरीनामी भारतीयों का उत्साह देखकर मैं हैरान हो गया। मुझे 'भरत-मिलाप' की याद आई। ईश्वर से प्रार्थना हैं कि अगले न्यूयोर्क में होनेवाली आठवाँ सम्मेलन में भी भाग लेने का मौका मिलें।

ऐसा एक भाषा पढ़ने का अवसर मिलने में मैं कृतार्थ हुँ। मेरे गुरुजनों को मेरा प्रणाम।

<u>परीक्षा केंद्रित कुछ और प्रश्न। इनके उत्तर स्वयं लिखने का प्रयास करें</u>:-

(1) मान लें, आप सातवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने केलिए पारामारिबो पहुँचे। वहाँ आपकी बातचीत सम्मेलन के किसी भागीदार से होती हैं। वह बातचीत कल्पना करके लिखे।

मैं : आप कहाँ से आए हैं?

भागीदार : श्रीलंका से। आप भारतीय हैं न ?

.....

(2) सुरिनाम में संपन्न विश्व हिंदी सम्मेलन के बारे में दो सुरीनामी (भारतीय मूल के) मित्रों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

मित्र 1 : तुम क्या सोचते हो?

मित्र 2 : कुछ नहीं, मैं इस सम्मेलन की तैयारियाँ देखते हैं।

.....

(3) मान लें, आप सातवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने केलिए पारामारिबो पहुँचे। उद्घाटन समारोह के बाद आप अपनी डायरी लिखता है, जिसमें सम्मेलन का अनुभवों का जिक्र करते हैं। डायरी का वह पन्ना तैयार करें।

HSSLIVE.IN

6-6-2003 **शुक्रवार**

सबेरे यहाँ पहुँचा। कौतूहल से मैंने चारों ओर देखा। हरियाली था।.....

(4) विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने आए दो अन्य देशवासियों भारत और हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार के बारे में बातचीत करते हैं। वह वार्तालाप तैयार करें।

भागीदार 1 : आप कहाँ से आए हैं?

भागीदार 2 : मैं तो एक नेपाली हुँ। आप तो?

(5) दसवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन 2015 सितंबर में भारत के भोपाल **हो गई है**। भारत में संपन्न हो **गई** तीसरा विश्व हिंदी सम्मेलन है यह। उसके लिए एक आकर्षक पोस्टर तैयार करें।

(6) पिछले ओणम की छुट्टियों में कैसे मनाया। ओणम के छुट्टियों में गए एक मनपसंद जगह के बारे में एक सफ़रनामा तैयार करें।

मेरा सफ़र

इस ओणम की छुट्टियों में मैं ने अपने परिवार के साथ.....

HSSLIVE.IN

(7) लेखक विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने केलिए पारामारिबो गया। वर्षों बाद वह अपना आत्मकथा लिखना चाहता है, जिसमें सुरीनाम के अनुभवों का भी जिक्र करना चाहा। लेखक का आत्मकथांश लिखें।

सूरीनाम में.....

2003 में मुझे विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने का सुअवसर मिला। भारत से सिर्फ मैं....

(8) **आपको भोपाल में हुए दसवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने का सुअवसर मिला। सम्मेलन के अनुभवों का वर्णन करते हुए** आप अपने मित्र के नाम पत्र लिखें।

(9) **मान लें, आप दैनिक जागृति के संवाददाता है। सातवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन के बाद लेखक हिमांशु जोशी का साक्षात्कार करते हैं। वह साक्षात्कार तैयार करें।**

(10) **'सुरीनाम में पहला दिन' नामक सफ़रनामा पढ़नेवाले दो सहेलियों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।**

DO NOT COPY